नैक (NAAC) द्वारा "A" ग्रेड प्राप्त

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya, Wardha

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

ज्ञान शांति मैत्री

जनसंपर्क विभाग- Ph./Fax: 07152-252651 मो.9960562305 इ-मेल: mgahvpro@gmail.com

वेबसाइट : www.hindivishwa.org

व्यक्ति, समाज, देश को जोड़ती है भाषाएं

प्रियदर्शिनी महिला महाविद्यालय में संवाद कार्यक्रम का आयोजन

हिंदी विश्वविद्यालय की पहल

वर्धा, 13 जुलाई 2016 : भाषाएं व्यक्ति, समाज और देशों को जोड़ती हैं। भारतीय एवं विदेशी भाषाओं के

अध्ययन से रोजगार के अनेक अवसर मौजूद है। वर्धा और आसपास अनेक भारतीय और विदेशी परियोजनाएं अपने कार्य शुरू कर रही है। ऐसे में विदेशी भाषाओं के जानकारों की मांग बढ़ गयी है। उक्त जानकारी महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के भारतीय और विदेशी भाषाओं के अध्यापकों ने वर्धा स्थित

प्रियदर्शिनी महाविद्यालय की छात्राओं के साथ सांझा की। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्या डॉ. रंभा सोनाये ने की।

विश्वविद्यालय में संचालित विभिन्न भारतीय एवं विदेशी भाषाओं के पाठ्यक्रमों के बारे में वर्धा के विभिन्न महाविद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों में जागरूकता पैदा करने तथा उन्हें विश्वविद्यालय से जोड़ने के प्रयास को लेकर विद्यार्थियों के साथ 'संवाद कार्यक्रम' का आयोजन गुरुवार को किया गया।

कार्यक्रम में प्रियदर्शिनी महिला महाविद्यालय की डॉ. अनिता देशमुख, डॉ. मालिनी वडतकर, डॉ. सुधाकर सोनोने, डॉ. प्रतिभा ताकसांडे, डॉ. प्रियराज महेशकर, प्रा. सोनाली सिरभाते, डॉ. धनंजय सोनटक्के प्रा.

निलिमा भोपले, प्रा. अमोल तथा विश्वविद्यालय के चीनी भाषा के सहायक प्रोफेसर अनिर्बाण घोष, फ्रेंच के

सहायक प्रोफेसर संदीप कुमार, संस्कृत के लेखराम दन्नाना, जापानी भाषा के सन्मति जैन, अंग्रेजी की मैत्रेयी, उर्दू के डॉ. हिमांशु शेखर, जनसंपर्क अधिकारी बी. एस. मिरगे तथा जानकी देवी बजाज ग्राम विकास संस्था के परियोजना समन्वयक विनेश काकड़े उपस्थित थे। इस दौरान उपस्थित विद्यार्थियों ने विभिन्न भारतीय तथा विदेशी भाषाओं में प्रवेश तथा रोजगार की संभावनाओं को लेकर जिज्ञासाएं व्यक्त की जिसका अध्यापकों ने समाधान किया। कार्यक्रम का संचालन जनसंपर्क अधिकारी बी. एस. मिरगे ने किया तथा आभार डॉ. धनंजय

सोनटक्के ने माना। इस दौरान अध्यापकों ने प्राचार्य डॉ. रंभा सोनाये से वर्धा में शिक्षा का विस्तार और विद्यार्थियों के रूझान पर चर्चा की।